लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....हरि भूमि....
दिनांक....2.2.2020.... पृष्ठ सं....16.... कॉलम....2-7....

पहले पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना का भाग था हकृवि

हकृवि के स्थापना दिवस पर विशेष

हरित क्रांति का अग्रणी दूत बना हकृवि

- हरियाणा गठन के समय प्रदेश का खाद्यान्न उत्पादन था 25.92 लाख टन, अब 210 लाख टन पार
- 2 फरवरी 1970 को हुआ था हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का गठन

यशपाल सिंह ▸▸| हिसार

हरियाणा में हरित क्रांति लाने में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की अग्रणी भूमिका रही। पंजाब से अलग होने के बाद 1966 में हरियाणा का खाद्यान्न उत्पादन 25.92 लाख टन था, जो अब बढ़कर 210 लाख टन को पार कर गया है।

भौगोलिक रुप से प्रदेश छोटा होने के बावजूद देश के खाद्यान्न उत्पादन में 16 प्रतिशत की भागीदारी कर रहा है। प्रदेश के खेतों में अब फसलें लहलहा रही हैं। हकृवि की स्थापना आज से ठीक 50 साल पहले 2 फरवरी 1970 को हुई थी। इससे पहले हकृवि पंजाब कृषि विवि लुधियाना का भाग था। हकृवि ने फसलों, सब्जियों, तिलहन, दलहन, चारा व औषधीय फसलों की 290 से ज्यादा किस्मों का विकास किया है। इनमें करीब 60 किस्मों का विकास बीते वर्षों में ही किया गया है। ज्यादातर किस्में राष्ट्रीयस्तर पर भी अनुमोदित की गई हैं। फसलों की किस्मों, बीजों तथा अन्य प्रोद्योगिकी का उत्पादन तथा विपणन के लिए करीब 450 नॉन एक्सक्लूसिव लाइसेंस दिए गए हैं।

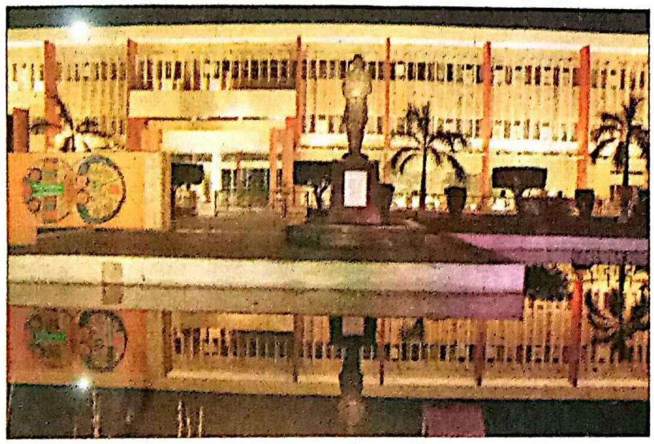

हिसार। गोल्डल जुबली की पूर्व संध्या पर लाइटों से जगमगाता हकृवि का प्रशासनिक भवन। फोटो : सुमेश

सफरनामा

हकृवि बना तब बेसिक साइंस व वेटरनरी कॉलेज थे।
1971 में कौल में बना पहला रिजनल सेंटर।
1972 में खुला स्पोर्टस कॉलेज।
1973 में बना होम साइंस कॉलेज।
31 अक्टूबर को हकृवि के साथ चौधरी चरण सिंह नाम जुड़ा।
2010 में वेटरनरी कॉलेज को विवि का दर्जा मिला।
2016 में करनाल में बागवानी कॉलेज बना।

लुवास व एमपीयू हुए अलग

हकृवि के गठन के 50 वर्ष के भीतर विवि से अलग होकर दो और नए विश्वविद्यालय अस्तित्व में आए। हकृवि के वेटरनरी कॉलेज को 1 दिसंबर 2010 को विवि का दर्जा दिया गया। इस तरह लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विवि का गठन हुआ। 28 नवंबर 2016 को करनाल में महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय का गठन किया गया।

50 वर्ष पूरे हुए

हकृवि की स्थापना को 50 वर्ष पूरे हो गए हैं। विवि का प्रदेश के खाद्यान्न उत्पादन में अग्रणी योगदान रहा है। विवि के स्थापना पर आयोजित समारोह में केंद्रीय राज्यमंत्री डा. संजीव बालियान भाग लेंगे।

-प्रो. केपी सिंह, कुलपति, हकृवि

मत्स्य व बायोटेक्नोलॉजी कॉलेज बने

हकृवि में पहले कृषि कॉलेज, कृषि अभियांत्रिकी कॉलेज, गृहविज्ञान कॉलेज और बेसिक साइंस कॉलेज चल रहे थे। हाल ही में विवि में मत्स्य कॉलेज, बायोटेक्नोलॉजी कॉलेज और मैनेजमेंट कॉलेज भी आरंभ हो चुके हैं।

कैंपस से बाहर बावल व कौल में भी कृषि कॉलेज चल रहे हैं। 21 कृषि विज्ञान केंद्र भी चलाए जा रहे हैं।

कनाडा और ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटीयों से हुए एमओयू

यूनिवर्सिटी ऑफ ग्वेल्फ, ऑनटेरियो, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी, इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ जापान, टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, अमेरिका की वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी, मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी, जेम्स हटन इंस्टीटयूट ऑफ स्कॉटलैंड, वेगेनिंगन यूनिवर्सिटी ऑफ रिसर्च, जापान इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एग्रीकल्चर साइंस, इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ मिल्ट रिसर्च हैदराबाद, काबुल यूनिवर्सिटी, सीआईआरबी, एनआरसीई के साथ सहयोग के लिए अनुबंध किए गए हैं।

हकृवि में स्थापना दिवस पर समारोह

हकृवि के स्थापना दिवस समारोह 2 फरवरी को इंदिरा गांधी सभागार में मनाया जा रहा है। समारोह के मुख्य अतिथि पशुपालन, डेयरी एवं राज्य मंत्री डॉ संजीव बालियान होंगे। समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. केपी सिंह करेंगे। इस समारोह में विश्वविद्यालय के 50 वर्षों की उपलब्धियों का विवरण दिया जाएगा। मुख्य अतिथि द्वारा विश्वविद्यालय में दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ भी किया जाएगा।

एएल फ्लेचर थे संस्थापक कुलपति

हकृवि के गठन के बाद एएल फ्लेचर विवि के संस्थापक कुलपति बने। विवि गठन के पांचवें दिन 7 फरवरी 1970 को उनको कुलपति नियुक्त किया गया। फ्लेचर के कार्यकाल को आज भी याद किया जाता है। वे 6 फरवरी 1974 तक कुलपति रहे। उनके कार्यकाल में विवि में कॉलेज व भवनों का निर्माण आरंभ हुआ। प्रो केपी सिंह विवि के वर्तमान कुलपति हैं। वे विवि के 19वें कुलपति हैं।

ये उपलब्धियां की हैं हासिल

हकृवि आईसीएआर रैंकिंग में कृषि विवि में द्वितीय स्थान पर हैं व एनआईआरएफ रैंकिंग में ओवरऑल रैंकिंग में सर्वश्रेष्ठ 100 विवि में शामिल हैं।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 2018-19 में हरियाणा किसान पुरुस्कार से किया सम्मानित।

कृषि उत्पादकता में वृद्धि तथा ग्रामीण विकास में योगदान के लिए कृषि शिक्षा अवॉर्ड।

1996 में सर्वश्रेष्ठ कृषि विवि का अवॉर्ड मिला।

Scanned with

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........अमर उजाला........
दिनांक...2.2.2020...... पृष्ठ सं...6...... कॉलम...3-5......

खरपतवारों की पहचान में ईशा प्रथम पवन द्वितीय और सुनील तृतीय रहे

खरपतवारों की पहचान होने से फसलों में नुकसान को समझने में मिलेगी मदद

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एग्रोनॉमिस्ट्स मीट एवं वीड कंटेस्ट का समापन समारोह हुआ। समारोह में मुख्यातिथि कुलपति कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय राजस्थान के डॉ. जेएस संधू रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कंबोज व बायर क्रॉप साइंस के डॉ. राजबीर राठी उपस्थित रहे।

प्रतिभागियों को पुरस्कार देते हुए मुख्य अतिथि व अन्य। अमर उजाला

खरपतवारों की पहचान में ईशा, पवन वर्मा व सुनील ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय, खरपतवारनाशियों के प्रभाव संबंधी लक्षणों की पहचान में संदीप कुमार, सिंटू मलिक व सचिन ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय, हरबीसाइड डोज केलकुलेशन में ईशा, एकता व सुशील कुमार ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय, किसानों की समस्या के निदान की प्रतियोगिता में जसबीर सिंह, जितेंद्र सोनी, संदीप कुमार और खरपतवार संबंधी क्विज आईएआरआई दिल्ली की टीम, एमपीयूएटी उदयपुर की टीम व आईएआरआई - बी दिल्ली की टीम ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किए।

अध्यक्षता शस्य विज्ञान के डॉ. समुंद्र सिंह ने की। डॉ. जेएस संधू ने कहा कि खरपतवार संबंधी क्विज कांटेस्ट एवं परीक्षा के माध्यम से छात्रों का ज्ञान बढ़ेगा, वहीं खरपतवारों की पहचान संबंधी प्रतियोगिता से उनकी खरपतवारों की पहचान करने व उनसे होने वाले फसलों में नुकसान को समझने में मदद मिलेगी।

कार्यक्रम में इंटरनेशनल संस्था सिमयीट में कार्यरत वैज्ञानिक डॉ. आरके मलिक ने रिसोर्स कंजर्वेशन तकनीक, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय के शस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष ने नैनो हरबीसाइड विषय पर और डॉ. हरिओम ने लो बजट फार्मिंग पर व्याख्यान दिए।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 2.2.2020 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 3

एचएयू में खरपतवारों की पहचानों स्पर्धा में ईशा व संदीप ने मारी बाजी

हिसार | एचएयू में आयोजित एग्रोनोमिस्टस मीट एवं वीड कंटेस्ट का शनिवार को समापन हो गया। खरपतवारों की पहचान में ईशा ने बाजी मारी। उच्च स्थान प्राप्त करने वालों को सम्मानित भी किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर, राजस्थान के डॉ. जेएस संधू रहे और विशिष्ट अतिथि के तौर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कम्बोज व बायर क्राप साइंस के डॉ. राजबीर राठी उपस्थित रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष, सस्य विज्ञान डॉ. समुन्द्र सिंह ने की। प्रतियोगिताओं में छात्रों को विभिन्न पुरस्कार वितरित किये गए जिसमें खरपतवारों की पहचान में ईशा, पवन वर्मा व सुनील ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय, खरपतवारनाशियों के प्रभाव संबंधी लक्षणों की पहचान में संदीप कुमार, सिन्टू मलिक व सचिन ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय, हरबीसाईड डोज कलकुलेशन में ईशा, एकता व सुशील कुमार ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय, किसानों की समस्या के निदान की प्रतियोगिता में जसबीर सिंह, जितेन्द्र सोनी व संदीप कुमार तथा खरपतवार संबंधी क्विज आईएआरआई दिल्ली की टीम, एमपीयूएटी उदयपुर की टीम व आईएआरआई - बी दिल्ली की टीम ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किए।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....दैनिक जागरण....
दिनांक 2.2.2020 पृष्ठ सं. 20 कॉलम 1-2

खरपतवारों की पहचान करने में ईशा रही प्रथम

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित एग्रोनोमिस्ट्स मीट एवं वीड कंटेस्ट के समापन समारोह के मुख्य अतिथि, कुलपति कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर, राजस्थान के डा. जेएस संधू रहे व विशिष्ट अतिथि के तौर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, डा. बीआर कम्बोज व बायर क्राप सांइस के डा. राजबीर राठी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता, विभागाध्यक्ष, सस्य विज्ञान डा. समुंद्र सिंह ने की। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग ने हरियाणा एग्रोनोमिस्ट एसोसिएशन एवं अंतरराष्ट्रीय वीड सांइस सोसाइटी के सहयोग से आयोजित किया था। इस दौरान मुख्य अतिथि डा. जेएस संधू ने कहा कि खरपतवार संबंधी क्वीज कंटेस्ट एवं परीक्षा के माध्यम से शोध छात्रों का ज्ञान बढ़ेगा वहीं खरपतवारों की पहचान संबंधी प्रतियोगिता से उनकी खरपतवारों की पहचान करने व उनसे होने वाले फसलों में नुकसान को समझने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में इंटरनेशनल संस्था सिमयीट में कार्यरत प्रख्यात वैज्ञानिक डा. आरके मलिक ने रिसोर्स कंजरवेशन तकनीक, तमिलनाडू कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष ने नैनो हरबीसाइंड विषय पर व डा. हरिओम ने लो बजट फार्मिंग पर अपने व्याख्यान दिए। प्रतियोगिताओं में छात्रों को विभिन्न पुरस्कार वितरित किए गए जिसमें खरपतवारों की पहचान में ईशा, पवन वर्मा व सुनील ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय। खरपतवारनाशियों के प्रभाव संबंधी लक्षणों की पहचान में संदीप कुमार, सिंटू मलिक व सचिन ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय। हरबीसाईंड डोज कलकुलेशन में ईशा, एकता व सुशील कुमार ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........दैनिक ट्रिब्यून........

दिनांक...2.2.2020... पृष्ठ सं....9.... कॉलम...7-8...

हकृवि में एग्रोनोमिस्टस मीट एवं वीड कंटेस्ट

हिसार (निस) : हकृवि में एग्रोनोमिस्टस मीट एवं वीड कंटेस्ट का आयोजन किया गया। इसमें कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर (राजस्थान) के कुलपति डॉ. जेएस संधू ने मुख्य अतिथि थे, जबकि वशिष्ट अतिथि के तौर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, डॉ. बीआर कम्बोज व बायर क्राप सांइस के डॉ. राजबीर राठी उपस्थित रहे और कार्यक्रम की अध्यक्षता, विभागाध्यक्ष, सस्य विज्ञान डॉ. समुन्द्र सिंह ने की। कार्यक्रम में इंटरनेशनल संस्था सिमयीट में कार्यरत प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. आरके मलिक ने रिसोर्स कंजरवेशन तकनीक, तमिलनाडू कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष ने नैनो हरबीसाइड विषय पर व डॉ. हरिओम ने लो बजट फार्मिंग पर अपने व्याख्यान दिये।।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम............सिटी पल्स............
दिनांक....1. 2. 2020.......... पृष्ठ सं....3.......... कॉलम....1-5.......

खरपतवार संबंधी क्वीज कंटेस्ट एवं परीक्षा के माध्यम से शोध छात्रों का बढ़ेगा ज्ञानः संधू

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित एग्रोनोमिस्टस मीट एवं वीड कंटेस्ट के समापन समारोह के मुख्य अतिथि, कुलपति कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर, राजस्थान के डॉ. जेएस संधू रहे व वशिष्ट अतिथि के तौर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कम्बोज व बायर क्राप साइंस के डॉ. रणबीर राठी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता, विभागाध्यक्ष, सस्य विज्ञान डॉ. समुन्द्र सिंह ने की। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग ने हरियाणा एग्रोनोमिस्ट एसोसिएशन एवं अन्तर्राष्ट्रीय वीड साइंस सोसाइटी के सहयोग से आयोजित किया गया था। मुख्य अतिथि डॉ. जेएस संधू ने कहा कि खरपतवार संबंधी क्वीज कंटेस्ट एव परीक्षा के माध्यम से शोध छात्रों का ज्ञान बढ़ेगा वहीं खरपतवारों की

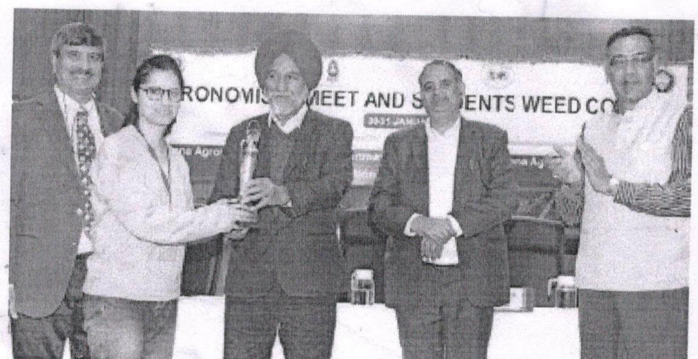

हिसार। मुख्य अतिथि प्रतिभागियों को पुरस्कार देते हुए।

पहचान संबंधी प्रतियोगिता से उनको खरपतवारों की पहचान करने व उनसे होने वाले फसलों मे नुकसान को समझने में मदद मिलेगी। इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होंगे। कार्यक्रम में इंटरनेशनल संस्था सिमयीट में कार्यरत प्रख्यात वैज्ञानिक डा. आरके मलिक ने रिसोर्स कंजरवेशन तकनीक, तमिलनाडू कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष ने नैनो हरबीसाईड विषय पर व डा. हरओम ने लो बजट फार्मिंग पर अपने व्याख्यान दिए। कार्यक्रम के अन्त में सस्य विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक एवं एचएए के सचिव, डॉ. सुरेश कुमार ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रतियोगिताओं में छात्रों को विभिन्न पुरस्कार वितरित किए गए जिसमें खरपतवारों की पहचान में ईशा, पवन वर्मा व सुनील ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय, खरपतवारनाशियों के प्रभाव संबंधी लक्षणों की पहचान में संदीप कुमार, धिन्दू मलिक व सचिन ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय, हरबीसाईड डोज कैलकुलेशन में ईशा, एकता व सुशील कुमार ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय, किसानों की समस्या के निदान की प्रतियोगिता में जसबीर सिंह, जितेन्द्र सैनी व संदीप कुमार तथा खरपतवार संबंधी क्वीज आईएआरआई दिल्ली की टीम, एमपीयूएटी उदयपुर की टीम व आईएआरआई - दो दिल्ली की टीम ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किए।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम ....नभ छोर....
दिनांक ..1. 2. 2020.. पृष्ठ सं. ..2.. कॉलम ..2-5..

खरपतवार संबंधी क्विज से विद्यार्थियों का बढेगा ज्ञान : संधू

हिसार/01 फरवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित एग्रोनोमिस्टस मीट एवं वीड कंटेस्ट के समापन समारोह के मुख्य अतिथि, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर, राजस्थान के कुलपति डॉ. जेएस संधू रहे व विशिष्ट अतिथि के तौर पर हकृवि रजिस्ट्रार, डॉ. बीआर कम्बोज व बायर क्राप सांइस के डॉ. राजबीर राठी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता, विभागाध्यक्ष, सस्य विज्ञान डॉ. समुन्द्र सिंह ने की। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग ने हरियाणा एग्रोनोमिस्ट एसोशिएसन एवं अर्न्तराष्ट्रीय वीड साइंस सोसाइटी के सहयोग से आयोजित किया था। मुख्य अतिथि डॉ. जेएस संधू ने का कि खरपतवार संबंधी क्वीज कंटेस्ट एवं परीक्षा के माध्यम से शोध छात्रों का ज्ञान बढ़ेगा। वहीं खरपतवारों की पहचान संबंधी प्रतियोगिता से उनकी खरपतवारों की पहचान करने व उनसे होने वाले फसलों में नुकसान को समझने में मदद मिलेगी। इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगें। कार्यक्रम में इंटरनेशनल संस्था सिमयीट में कार्यरत प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. आरके मलिक ने रिसोर्स कंजरवेशन तकनीक, नैनो हरबीसाईंड विषय पर व डॉ. हरिओम ने लो बजट फार्मिंग पर अपने व्याख्यान दिये। सस्य विज्ञान विभाग के वैज्ञांनिक एवं एचएए के सचिव, डॉ. सुरेश कुमार ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रतियोगिताओं में छात्रों को विभिन्न पुरस्कार वितरित किये गए जिसमें खरपतवारों की पहचान में ईशा, पवन वर्मा व सुनील ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय, खरपतवारनाशियों के प्रभाव संबंधी लक्षणों की पहचान में संदीप कुमार, सिन्टू मलिक व सचिन ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय, हरबीसाईंड डोज कैलकुलेशन में ईशा, एकता व सुशील कुमार ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय, किसानों की समस्या के निदान की प्रतियोगिता में जसबीर सिंह, जितेन्द्र सोनी व संदीप कुमार तथा खरपतवार संबंधी क्वीज आईएआरआई दिल्ली की टीम, एमपीयूएटी उदयपुर की टीम व आईएआरआई - बी दिल्ली की टीम ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किये।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....दैनिक ट्रिब्यून, अमर उजाला
दिनांक 2.2.2020 पृष्ठ सं. 9, 6 कॉलम 7-8, 5

हकृवि का स्थापना दिवस आज

हिसार (निस) : आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का स्वर्णिम स्थापना दिवस मनाया जाएगा। इसमें डेयरी एवं मत्स्य पालन केन्द्रीय राज्य मंत्री डॉ. संजीव बालियान मुख्य अतिथि होंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि हकृवि के पूर्व विद्यार्थियों को बनाया गया है। इस समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह करेंगे। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए डॉ. संदीप आर्य ने बताया कि समारोह में विश्वविद्यालय के 50 वर्षों की उपलब्धियों का विवरण दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि नेहरू पुस्तकालय में पुस्तक प्रदर्शन का आयोजन किया जाएगा। इसमें करीब 15 जाने-माने प्रकाशक व वितरकों द्वारा करीब 8 हजार पुस्तकें प्रदर्शित की जाएंगी। प्रदर्शनी में मुख्य रूप से कृषि विज्ञान, मौलिक विज्ञान, गृहविज्ञान, पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान, फूड साइंस एंड टेक्नोलोजी, नैनो-टेक्नोलोजी और बिजनेस मैनेजमेंट विषयों सहित जनरल नॉलेज आदि विषयों पर पुस्तकें प्रदर्शित की जाएंगी।

हकृवि के स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आज, डॉ. संजीव बालियाण होंगे मुख्यातिथि

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस समारोह इंदिरा गांधी सभागार में मनाया जाएगा। समारोह में पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन राज्य मंत्री डॉ. संजीव बालियाण मुख्यातिथि होंगे, जबकि एचएयू के पूर्व छात्र विशिष्ट अतिथि होंगे। समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. केपी सिंह करेंगे। समारोह में विश्वविद्यालय के 50 वर्षों की उपलब्धियों का विवरण दिया जाएगा। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे। इसके अलावा नेहरू पुस्तकालय में दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का भी आयोजन होगा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम......दैनिक भास्कर, दैनिक जागरण......
दिनांक......2.2.2020...... पृष्ठ सं......2, 22...... कॉलम......3, 1......

एचएयू का स्थापना दिवस आज, कई कार्यक्रम होंगे

हिसार | एचएयू का स्थापना दिवस समारोह 2 फरवरी को इंदिरा गांधी सभागार में मनाया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन राज्य मंत्री भारत सरकार डॉ. संजीव बालियान होंगे तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रमुख एचएयू के पूर्व छात्र रहेंगे। पीआरओ डॉ. संदीप आर्य ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह करेंगे। इस दौरान विश्वविद्यालय के 50 वर्षों की उपलब्धियों का विवरण दिया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जाएगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में भ्रमण व पौधरोपण भी किया जाएगा तथा एचएयू के पूर्व छात्र अपने अनुभवों का आदान-प्रदान करेंगे।

आज मनाया जाएगा हकृवि का स्थापना दिवस

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस समारोह 2 फरवरी को इंदिरा गांधी सभागार में मनाया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन राज्य मंत्री, भारत सरकार डा. संजीव बालियान होंगे तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रमुख एचएयू के पूर्व छात्र होंगे। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह करेंगे। समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे। (जासं)

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम............नभ छोर............
दिनांक...1.2.2020......... पृष्ठ सं.....3.......... कॉलम...6-8.......

हकृवि स्थापना दिवस समारोह कल

हिसार/01 फरवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह कल इंदिरा गांधी सभागार में मनाया जा रहा है। इस समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय पशुपालन डेयरी एवं मत्स्य पालन राज्य मंत्री, डॉ. संजीव बालियान होंगे तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रमुख एचएयू के पूर्व छात्र होंगे। इस समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह करेंगे। इस समारोह में विश्वविद्यालय के 50 वर्षों की उपलब्धियों का विवरण दिया जायेगा। इस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जायेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में भ्रमण व वृक्षारोपण भी किया जायेगा तथा एचएयू के पूर्व छात्र अपने अनुभवों का आदान-प्रदान करेंगे। इस उपलक्ष्य में मुख्य अतिथि द्वारा विश्वविद्यालय में दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ नेहरू पुस्तकालय में किया जायेगा। पुस्तकालयाध्यक्ष के अनुसार पुस्तक प्रदर्शनी इस पुस्तकालय की एक नियमित गतिविधि है जिसे पिछले कई वर्षों से लगातार आयोजित किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी में करीब 15 जाने-माने प्रकाशक व वितरकों द्वारा करीब 8 हजार पुस्तकें प्रदर्शित की गई हैं। प्रदर्शनी में मुख्य रूप से कृषि विज्ञान, मौलिक विज्ञान, गृहविज्ञान, पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, नैनो-टेक्नोलॉजी और बिजनेस मैनेजमेंट विषयों सहित जनरल नॉलेज आदि विषयों पर पुस्तकें प्रदर्शित की जाएंगी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पाठक पक्ष, सिटी पल्स
दिनांक 1.2.2020 पृष्ठ सं. 6, 2 कॉलम 5-7, 3-4

हकृवि का स्थापना दिवस मनाया जाएगा कल, डॉ. संजीव बालियान होंगे मुख्य अतिथि

हिसार, 1 फरवरी (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह 2 फरवरी को इंदिरा गांधी सभागार में मनाया जा रहा है। इस समारोह के मुख्य अतिथि पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन राज्य मंत्री, भारत सरकार डॉ. संजीव बालियान होगें तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रमुख एचएयू के पूर्व छात्र होगें। इस समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के. पी. सिंह करेगें। इस समारोह में विश्वविद्यालय के 50 वर्षों की उपलब्धियों का विवरण दिया जायेगा। इस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जायेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में भ्रमण व वृक्षारोपण भी किया जायेगा तथा एचएयू के पूर्व छात्र अपने अनुभवों का आदान-प्रदान करेगें। इस उपलक्ष्य में मुख्य अतिथि द्वारा विश्वविद्यालय में दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ नेहरू पुस्तकालय मे किया जाएगा। पुस्तकालयाध्यक्ष के अनुसार पुस्तक प्रदर्शनी इस पुस्तकालय की एक नियमित गतिविधि है जिसे पिछले कई वर्षों से लगातार आयोजित किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी में करीब 15 जाने-माने प्रकाशक व वितरकों द्वारा करीब 8 हजार पुस्तकें प्रदर्शित की गई हैं। प्रदर्शनी में मुख्य रूप से कृषि विज्ञान, मौलिक विज्ञान, गृहविज्ञान, पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान, फूड साइंस एंड टेक्नोलोजी, नैनो-टेक्नोलोजी और बिजनेस मैनेजमैंट विषयों सहित जनरल नॉलेज विषयों पर पुस्तकें प्रदर्शित की जाएंगी।

हकृवि का स्थापना दिवस मनाया जाएगा, डॉ. संजीव बालियान होंगे मुख्य अतिथि

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह 2 फरवरी को इंदिरा गांधी सभागार में मनाया जा रहा है। इस समारोह के मुख्य अतिथि पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन राज्य मंत्री, भारत सरकार डॉ. संजीव बालियान होंगे तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रमुख एचएयू के पूर्व छात्र होंगे। इस समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह करेंगे। इस समारोह में विश्वविद्यालय के 50 वर्षों की उपलब्धियों का विवरण दिया जाएगा। इस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जायेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में भ्रमण व वृक्षारोपण भी किया जाएगा तथा एचएयू के पूर्व छात्र अपने अनुभवों का आदान-प्रदान करेंगे। इस उपलक्ष्य में मुख्य अतिथि द्वारा विश्वविद्यालय में दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ : नेहरू पुस्तकालय में किया जाएगा। पुस्तकालयाध्यक्ष के अनुसार पुस्तक प्रदर्शनी इस पुस्तकालय की एक नियमित गतिविधि है जिसे पिछले कई वर्षों से लगातार आयोजित किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी में करीब 15 जाने-माने प्रकाशक व वितरकों द्वारा करीब 8 हजार पुस्तकें प्रदर्शित की गई है। प्रदर्शनी में मुख्य रूप से कृषि विज्ञान, मौलिक विज्ञान, गृहविज्ञान, पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान, फूड साइंस एंड टैक्नोलॉजी, नैनो-टैक्नोलॉजी और बिजनेस मैनेजमैंट विषयों सहित जनरल नॉलेज आदि विषयों पर पुस्तकें प्रदर्शित की जाएगी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला, दैनिक जागरण
दिनांक 2.2.2020 पृष्ठ सं 6, 21, कॉलम 5, 2

इंग्लिश भाषण में रूपित प्रथम

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती वर्ष के तहत छात्र कल्याण निदेशालय की साहित्यिक और वाद-विवाद सोसायटी ने मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय के सभागार में इंटर कॉलेज भाषण प्रतियोगिता करवाई। कार्यक्रम में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह मुख्य अतिथि रहे। डॉ. राजबीर सिंह ने कहा कि छात्रों को इस तरह की गतिविधियों की आवश्यकता पर जोर देना चाहिए क्योंकि इस गतिविधियों से छात्रों के संचार कौशल में सुधार होता है। इंग्लिश भाषण में कृषि महाविद्यालय से रूपित गोयल, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी से नितिका श्योराण और कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर से अंकुश ने क्रमशः पहला, दूसरा और प्रशंसा पुरस्कार जीता। हिंदी भाषण में शिव कुमार, डिंपल और इंदु, ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और प्रशंसा पुरस्कार के विजेता रहे।

भाषण प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय से रूपित गोयल प्रथम

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती वर्ष को मनाने के लिए आयोजित कार्यक्रमों की श्रृखंला में, छात्र कल्याण निदेशालय की साहित्यिक और वाद-विवाद सोसाइटी ने मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय के सभागार में इंटर कालेज भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अधिष्ठाता मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के डा. राजबीर सिंह थे। भाषण प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय हिसार से रूपित गोयल, कालेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी से नितिका श्योराण और कालेज ऑफ एग्रीकल्चर, कौल से अंकुश ने इंग्लिश डिक्लेमेशन में क्रमशः पहला, दूसरा और प्रशंसा पुरस्कार जीता।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........नभ छोर, सिटी पल्स........
दिनांक....1.2.2020.......... पृष्ठ सं.....6, 2............ कॉलम.....6-8, 1-2

रूपित व शिवकुमार भाषण प्रतियोगिता में रहे प्रथम

हिसार/01 फरवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती वर्ष को मनाने के लिए आयोजित कार्यक्रमों की श्रृखंला में छात्र कल्याण निदेशालय की साहित्यिक और वाद-विवाद सोसाइटी ने मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय के सभागार में एक इंटर कॉलेज भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें हकृवि के छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अधिष्ठाता मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के डॉ. राजबीर सिंह ने छात्रों को इस तरह की गतिविधियों की आवश्यकता पर जोर दिया। क्योंकि इस गतिविधियों से छात्रों के संचार कौशल में सुधार होता है और उनमें आत्मविश्वास आता है। उन्होंने छात्रों से अभिनव विचारों को क्रियान्वित करने और विभिन्न मंचों पर अपने विचारों को प्रस्तुत करने का भी आहवान किया। भाषण प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, हिसार से रूपित गोयल, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी से निशिका श्योराण और कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, कौल से अंकुश ने इंग्लिश डिक्लेमेशन में क्रमशः पहला, दूसरा और प्रशंसा पुरस्कार जीता। जबकि हिंदी भाषण में शिव कुमार, डिंपल और इंदु, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, बावल क्रमशः प्रथम, द्वितीय और प्रशंसा पुरस्कार के विजेता थे। इस अवसर पर साहित्यिक और डिबेटिंग सोसाइटी के सभी सलाहकार भी उपस्थित रहे।

एचएयू के मानविकी महाविद्यालय के सभागार में इंटर कॉलेज भाषण प्रतियोगिता आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती वर्ष को मनाने के लिए आयोजित कार्यक्रमों की श्रृखंला में, छात्र कल्याण निदेशालय की साहित्यिक और वाद-विवाद सोसाइटी ने मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय के सभागार में एक इंटर कॉलेज भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें हकृवि के विभिन्न कॉलेजों के छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अधिष्ठाता मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के डॉ. राजबीर सिंह थे। डॉ. राजबीर सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि छात्रों को इस तरह की गतिविधियों की आवश्यकता पर जोर दिया क्योंकि इस गतिविधियों से छात्रों के संचार कौशल में सुधार होता है और उनमें आत्मविश्वास आता है। उन्होंने छात्रों से अभिनव विचारों को क्रियान्वित करने और विभिन्न मंचों पर अपने विचारों को प्रस्तुत करने का भी आहवान किया।

भाषण प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, हिसार से रूपित गोयल, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी से निशिका श्योराण और कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, कौल से अंकुश ने इंग्लिश डिक्लेमेशन में क्रमशः पहला, दूसरा और प्रशंसा पुरस्कार जीता। जबकि हिंदी भाषण में शिव कुमार, डिंपल और इंदु, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, बावल क्रमशः प्रथम, द्वितीय और प्रशंसा पुरस्कार के विजेता थे। इस अवसर पर साहित्यिक और डिबेटिंग सोसाइटी के सभी सलाहकार भी उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम......हरि भूमि......
दिनांक...2.2.2020... पृष्ठ सं....16.... कॉलम...1...

आरडीएस फार्म में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट दिवस मनाया

हिसार। हकृवि के रामधन बीज फार्म के सिरसा रोड़ स्थित कार्यालय व खेत पर सोलिड वैस्ट मैनेजमैंट दिवस का आयोजन किया गया। निदेशक रामधन सिंह बीज फ़ार्म डॉ. केडी शर्मा, ने कर्मचारियों, बेलदारों व कृषि निरीक्षकों को ठोस कचरा प्रबंधन पर दिशा निर्देश जारी किए। डॉ. केडी शर्मा ने इस अवसर पर सभी कर्मचारियों को ठोस कचरा अधिनियम 2016 के निर्देशों के बारे में बताया। उन्होनें कहा कि प्लास्टिक इत्यादि का खेतों में कई वर्ष तक क्षय नहीं होता जिससे भूमि में रसायनों के कारण विषैलापन बढ़ता है इसके लिए ठोस कचरे का सही तरीके से प्रंबधन जरूरी हैं। इस अवसर पर डॉ. राजेश कथवाल, डॉ. विक्रम, राधेश्याम, व रामकुमार उपस्थित थें।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम [illegible], सिटी पल्स

दिनांक 1.2.2020 पृष्ठ सं. 6, 2 कॉलम 3-4, 3-4

ठोस कचरे का प्रबंधन जरूरी : शर्मा

हिसार/01 फरवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के रामधन बीज फार्म के सिरसा रोड स्थित कार्यालय व खेत पर सौलिड वैस्ट मैनेजमैंट दिवस का आयोजन किया गया। निदेशक रामधन सिंह बीज फार्म, डॉ. के.डी. शर्मा, ने कर्मचारियों, बेलदारों व कृषि निरीक्षकों को ठोस कचरा प्रबंधन पर दिशा निर्देश जारी किए। डॉ. केडी शर्मा ने कर्मचारियों को ठोस कचरा अधिनियम 2016 के निर्देशों के बारे में बताया। उन्होनें कहा कि प्लास्टिक इत्यादि का खेतों में कई वर्ष तक क्षय नहीं होता जिससे भूमि में रसायनों के कारण विषैलापन बढ़ता है इसके लिए ठोस कचरे का सही तरीके से प्रबंधन जरूरी हैं। इस अवसर पर डॉ. राजेश कथवाल, डॉ. विक्रम, राधेश्याम व रामकुमार आदि उपस्थित रहे।

रामधन बीज फार्म कार्यालय में सोलिड वैस्ट मैनेजमैंट दिवस का आयोजन

हिसार। ठोस कचरे का प्रबंधन करते हुए।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के रामधन बीज फार्म के सिरसा रोड स्थित कार्यालय व खेत पर सोलिड वैस्ट मैनेजमैंट दिवस का आयोजन किया गया। निदेशक रामधन सिंह बीज फार्म, डॉ. के.डी. शर्मा, ने कर्मचारियों, बेलदारों व कृषि निरीक्षकों को ठोस कचरा प्रबंधन पर दिशा निर्देश जारी किए।

डॉ. के.डी. शर्मा ने इस अवसर पर सभी कर्मचारियों को ठोस कचरा अधिनियम 2016 के निर्देशों के बारे में बताया। उन्होंनें कहा कि प्लास्टिक इत्यादि का खेतों में कई वर्ष तक क्षय नहीं होता जिससे भूमि में रसायनों के कारण विषैलापन बढ़ता है इसके लिए ठोस कचरे का सही तरीके से प्रबंधन जरूरी है। इस अवसर पर डॉ. राजेश कथवाल, डॉ. विक्रम, राधेश्याम, व रामकुमार उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: पाठक पक्ष

दिनांक: 1.2.2020 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 3-4

खरपतवार नियन्त्रण के लिए नैनो हरबीसाईंड भविष्य में निभा सकते हैं महत्वपूर्ण भूमिका - प्रो. केपी सिंह

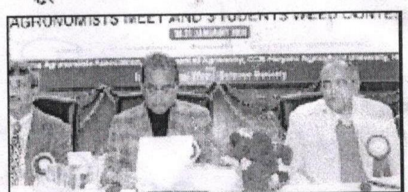

हिसार, 1 फरवरी (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाणा एग्रोनोमिस्ट्स एशोसिएशन एवं सस्य विज्ञान विभाग द्वारा अन्तरराष्ट्रीय वीड साइंस सोसाइटी के सहयोग से दो दिवसीय 'सस्य विज्ञानियों का समागम व छात्रों का खरपतवार पहचान प्रतियोगिता" का कृषि महाविद्यालय के सभागार में शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह थे तथा विशिष्ट अथिति के तौर पर अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डा. एस. के. सहरावत थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष सस्य विज्ञान विभाग डा. समुन्द्र सिंह ने की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि खरपतवार नियन्त्रण के लिए नैनो हरबीसाईड भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सस्य वैज्ञानिक कृषि व्यवस्था की रीढ की हड्डी हैं क्योंकि इनका हर विषय में हस्तक्षेप होता है। सस्य वैज्ञानिकों ने कम निवेश से ज्यादा उत्पादन लाइन की तकनीकें विकसित की हैं और किसानों के लिए बहुत सारी समग्र सिफारिशें दी हैं। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि छात्रों की खरपतवार पहचान प्रतियोगिता से छात्रों को खरपतवारों के बारे में बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। इस अवसर पर आये सेवानिवृत सस्य वैज्ञानिकों की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा छात्रों को इनके अनुभव और आशीर्वाद से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। इससे पहले अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने कार्यक्रम में आये हुए अतिथियों का स्वागत किया। अटारी निदेशक, डॉ. राजबीर सिंह व सस्य विज्ञान विभागाध्यक्ष डा. समुन्द्र सिंह, ने अपने व्याख्यान में खरपतवारों में खरपतवारनाश्कों के प्रति अवरोधकता एवं उसका उचित प्रबन्धन के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर विभिन्न राज्यों से आये वैज्ञानिको एवं छात्रों ने भाग लिया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........पाठक पक्ष........
दिनांक....1.2.2020.... पृष्ठ सं....2.... कॉलम....1-2....

हकृवि में एग्रोनोमिस्ट मीट मे डॉ. समुन्द्र सिंह को लाईफ टाईम एचीवमेंट अवार्ड मिला

हिसार, 1 फरवरी (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाणा एग्रोनोमिस्ट्स एशोसिएशन एवं सस्य विज्ञान विभाग द्वारा अन्तरराष्ट्रीय वीड सांइस सोसाइटी के सहयोग से आयोजित 'सस्य विज्ञानियों का समागम में सस्य विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान के लिए विभिन्न पुरस्कार वितरित किये गयें जिसमें डॉ. समुन्द्र सिंह को लाइफ टाईम एचिवमेंट अवार्ड, डॉ. मंगत राम, डॉ. अनिल यादव, को बेस्ट रिस्र्चर अवार्ड डॉ. एसएस पूनिया, डॉ. सत्यजीत यादव को बेस्ट एक्सटेंशन वर्कर, डॉ. उमा कन्सल, डॉ. भगत सिंह, डॉ. अंकुर चौधरी, डॉ. टोडरमल पुनिया, डॉ. करमल मलिक को यंग साईंटिस्ट अवार्ड, डॉ. मीना सहवाग, डॉ. नीलम को बेस्ट टीचर अवार्ड तथा पारस कम्बोज, ईशा अहलावत को बेस्ट स्टूडेन्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सस्य विज्ञान में अपना योगदान के लिए सेवानिवृत्त एग्रोनोमिस्टस डॉ.डीपी सिंह, डॉ. डीएस नेहरा, डॉ.बीडी यादव, डॉ.विरेश्वर सिंह, डॉ.मेहर सिंह, डॉ.आरएस पंवार, डॉ.ओपी नेहरा, डॉ.आरएस बाल्यान, डॉ.जयप्रकाश, डॉ.डीएस गिल, डॉ.आरएस शियोराण, डॉ.हरिओम, डॉ.एसएस पाहुजा, डॉ.एसके अग्रवाल, डॉ.जगदेव, डॉ.केएस पंवार, डॉ.आरएस हुकिया को भी सम्मानित किया गया।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 1.2.2020 पृष्ठ सं. 1 कॉलम 1-5

सर्वे हरियाणा और पंजाब के 11 जिलों को किया गया शामिल, लुधियाना के एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन रिसर्च इंस्टीट्यूट ने किया सर्वे

पराली जमीन में मिलाने वाले किसानों को गेहूं की अधिक पैदावार

वैभव शर्मा • हिसार

हरियाणा और पंजाब के लिए पराली बड़ी समस्या है। यदि जलाने की बजाय इसका सही प्रबंधन किया जाए तो न केवल प्रदूषण में कमी आएगी वरन किसानों की जेब भी भरेगी। सर्वे में सामने आया है कि हरियाणा और पंजाब में पराली जमीन में मिलाने वाले 22 फीसद किसानों को गेहूं की सामान्य से ज्यादा पैदावार मिली।

एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन रिसर्च इंस्टीट्यूट (अटारी) लुधियाना ने दोनों प्रदेशों के 11 जिलों में जीरोटिल विधि से पराली खेतों में मिलाकर गेहूं की खेती करने वाले किसानों पर सर्वे किया था। अटारी के डायरेक्टर डा. राजबीर सिंह ने बताया कि पराली ने जमीन में पहुंच फसल को न्यूट्रिएंट पहुंचाने का काम किया। वे यहां हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एग्रोनोमिस्ट मीट में आए थे।

22% किसानों के यहां औसत से ज्यादा गेंहू की फसल हुई

11% किसानों के यहां कम हुई पैदावार, वजह थी गलत तरीका अपनाना

पराली खेतों में दबाने के बावजूद 11 फीसद किसानों को इसलिये पैदावार कम मिली क्योंकि उन्हें खेती करने की प्रक्रिया का पूरी तरह से पता नहीं था। किसान अक्सर गेहूं में पहले पानी लगाता है फिर खाद इस्तेमाल करता है मगर इस मामले में पहले खाद फिर पानी डालना होता है। वजह, पराली से खाद जड़ों में पहुंच जाता है।

डा. राजबीर सिंह, अटारी।

जीरोटिल विधि

इसमें हैप्पीसीडर मशीन से पराली के छोटे-छोटे टुकड़े कर जमीन में ही मिला दिए जाते हैं। इस विधि को जीरोटिल विधि कहते हैं।

इससे लाभ

- एक हेक्टेयर में पराली जलाने से 12 टन धुंआ निकलता है वह नहीं निकलेगा।
- मिट्टी की ऊर्वरक शक्ति बढ़ जाती है।
- पानी की बचत होती है, क्योंकि मिट्टी पर पड़ी पराली से वाष्पीकरण नहीं होता।

ये भी जानना जरूरी

44 लाख हेक्टेयर में धान लगाया जाता है हरियाणा व पंजाब में। इससे 20 मिलियन टन पराली निकलती है।

20 में से 18 मिलियन टन पराली को किसान खेतों में ही जला देते हैं।

01 हेक्टेयर में आठ टन पराली होती है जिसमें से 12 टन विषैली गैस निकलती हैं।

12 बैग फर्टीलाइजर के प्रति हेक्टेयर किसान बचा सकते हैं पराली खेतों में ही मिलाने से क्योंकि पराली में न्यूट्रिशंश होते हैं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम .... दैनिक जागरण ....

दिनांक ....1.2.2020.... पृष्ठ सं ....18.... कॉलम ....6-8....

जलवायु परिवर्तन के कृषि पर पड़ रहे प्रभाव समाधान को विज्ञानी हों एकजुट : डा. आरके

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में जंगली घास पर आयोजित एग्रोनोमिस्ट मीट में डा. आरके मलिक और तमिलनाडु के कोयंबटूर से आए डा. चिन्ना मुथु ने फसलों पर जलवायु के प्रभाव के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि कृषि के क्षेत्र में चुनौतियां बढ़ रही हैं और इसका सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। देश में पाकिस्तान के करीब से लेकर बांग्लादेश तक आइजीपी (इंडो जेनजेटिक प्लेन) क्षेत्र फैला हुआ है। जिसमें पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार व पश्चिम बंगाल आदि राज्य आते हैं। पंजाब हरियाणा कृषि के क्षेत्र में काफी आगे बढ़ चुका है, मगर दूसरे राज्यों में अभी गेहूं उत्पादकता में काफी कुछ करने की उम्मीद है। जहां की जलवायु के हिसाब से जमीन अच्छी उत्पादन दे सकती है। इसके साथ ही विज्ञानी एक साथ एकजुट होकर इस तरफ काम करेंगे तो किसानों को अधिक राहत मिलेगी। कार्यक्रम में हरियाणा व अन्य प्रदेशों के सस्य वैज्ञानिक एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया है।

समस्याओं का हल निकालने को छात्रों ने दिया पेपर

एग्रोनोमिस्ट मीट के दूसरे दिन छात्रों की प्रतियोगिता कराई गई। इसमें छात्रों को खेतों में आमतौर पर आने वाली समस्याओं, हरवीसाइड की मात्रा, दवाओं के प्रयोग और खेती करने की पद्धतियों में समस्याओं के समाधान पूछे गए। जिस पर लिखित रूप से छात्रों को समाधान बताने थे।

प्रयोगों को फील्ड पर देखने गए विशेषज्ञ : दो दिवसीय कार्यक्रम में सस्य वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी विभिन्न फसलों पर चल रहे प्रबंधन संबंधी शोध को जानने के लिए भ्रमण भी किया। एचएयू के खेतों में विभिन्न प्रकार की जंगली घास के प्रबंधन आदि को विशेषज्ञों ने जाना। इसके साथ ही फसलोत्पादन संबंधी प्रयोगों को भी देखा।